राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ

www.mangalayatan.in

NAAC GRADE A+ Accredited University

MANGAL SAMPARK

मंगल संपर्क

December 2025

pro@mangalayatan.edu.in

MANGALAYATAN UNIVERSITY NEWSLETTER BY PUBLIC RELATION UNIT

Mangalayatan University Earns Global Recognition in UI GreenMetric World University Rankings 2025

International acknowledgement for excellence in sustainability and environmental conservation

Mangalayatan University, Aligarh has achieved a significant milestone by securing 46th position in India and 1018th rank globally in the UI GreenMetric World University Rankings 2025, thereby strengthening its identity among leading sustainable universities in the country. This prestigious ranking evaluated 1,745 universities from 105 countries, highlighting institutions committed to sustainable development, environmental responsibility, and green initiatives in higher education.

Speaking on the achievement, Director IQAC Prof. Rajesh Upadhyay stated that UI GreenMetric is the world's first ranking system dedicated exclusively to assessing universities' sustainability efforts in a comprehensive manner. In the 2025 ranking, Mangalayatan University was evaluated across six major categories—Energy and Climate Change, Transportation, Setting and Infrastructure, Waste Management, Water Management, and Education & Research—in all of which the university demonstrated commendable performance.

Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora described this accomplishment as the result of the collective efforts of students, faculty members, researchers, and staff. He emphasized that the university will further strengthen its academic, research, and environmental initiatives in alignment with the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs) in the coming years.

Registrar Brigadier Sumarvir Singh and Joint Registrar Prof. Dinesh Sharma also expressed pride in the achievement, stating that this recognition is not only a matter of honor for the university but also serves as an inspiration for society to move towards a greener, cleaner, and more sustainable future.

This global recognition reaffirms Mangalayatan University's commitment to sustainability and its proactive role in promoting environmental consciousness through education and innovation.

मंगलायतन विश्वविद्यालय में नए अकादमिक ब्लॉक का शिलान्यास

26.60 करोड़ की लागत से बनेगा ब्लॉक का यह सात मंजिला भवन

मंगलायतन विश्वविद्यालय में विधि–विधान के साथ नए अकादमिक ब्लॉक की राइट विंग का शिलान्यास किया गया। यह भवन नर्सिंग, फार्मेसी और पैरामेडिकल कार्यक्रमों के विस्तार की प्रमुख परियोजना का हिस्सा है। कुलपति प्रो. पीके दशोरा, संयुक्त कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, इंजीनियर प्रो. महेश कुमार, वित्त अधिकारी मनोज गुप्ता और प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत ने भूमि पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच आचार्य ने कलश स्थापना कराई। कुलपति ने कहा कि नया भवन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और स्वास्थ्य शिक्षा सुविधाओं को मजबूत करेगा। संयुक्त कुलसचिव ने बताया कि यह निर्माण विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक विकास एवं अधोसंरचना विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूनिवर्सिटी इंजीनियर प्रो. महेश कुमार ने जानकारी दी कि यह ब्लॉक पूरी तरह भूकंप–रोधी होगा। 5.17 लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में बनने वाले इस विशाल भवन पर लगभग 82.70 करोड़ रुपये की लागत आएगी। पहले चरण में राइट विंग का निर्माण होगा जिसकी लागत करीब 26.60 करोड़ है। इसमें कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, व्याख्यान कक्ष, सेमिनार कक्ष, संकाय कक्ष, बहुउद्देशीय कक्ष और म्यूजियम शामिल होगा। ऊपरी मंजिलों के लिए लिफ्ट भी स्थापित की जाएंगी।

वीर बाल दिवस व अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर हुई विचार गोष्ठी

मंगलायतन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की प्रथम इकाई द्वारा वीर बाल दिवस एवं भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के टीवी स्टूडियो में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश पांडेय ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को एक दूरदर्शी नेता, संवेदनशील कवि और सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक बताया। कार्यक्रम समन्वयक डा. पूनम रानी ने वीर बाल दिवस के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत करता है। प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनीषा उपाध्याय ने एनएसएस की गतिविधियों व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आभार मयंक जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन योगेश कौशिक ने किया। गोष्ठी में डा. रवि शेखर, डा. शगुफ्तार परवीन, डा. प्रेमलता, डा. रामकृष्ण घोष, अजय राठौर, एंजेला फातिमा, ह्रदेश यादव, अफसान आदि उपस्थित रहे।

सर्वज्ञ देव विधान के साथ जैन मंदिर का 15वां वार्षिकोत्सव संपन्न

मंगलायतन विश्वविद्यालय व तीर्थधाम मंगलायतन के संयुक्त तत्वावधान में परिसर स्थित महावीर दिगंबर जैन मंदिर का 15वां वार्षिकोत्सव आध्यात्मिक उल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित सर्वज्ञ देव विधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सामूहिक अर्घ्य समर्पित किए। पूजन एवं विधान की समस्त विधि–विधान पंडित समकित शास्त्री एवं पंडित अभिषेक शास्त्री के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुई। विधान के दौरान मंत्रोच्चार और भक्ति भाव से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और धर्म का समन्वय ही मानव जीवन को उन्नति की ओर ले जाता है। उन्होंने भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और संयम के उपदेशों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। तीर्थधाम मंगलायतन से पधारे पंडित अशोक लुहाडिया एवं पंडित सुधीर शास्त्री ने अपने प्रेरक और ज्ञानवर्धक प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक लाभ प्रदान किया। उन्होंने कहा कि धर्म और शिक्षा का ऐसा अद्भुत संगम समाज को सकारात्मक दिशा देता है। कार्यक्रम के दौरान भगवान महावीर स्वामी के भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते नजर आए। इसके उपरांत श्रद्धालुओं ने परिसर स्थित कीर्ति स्तंभ के दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम व्यवस्था में प्रो. सिद्धार्थ जैन एवं मयंक जैन का विशेष योगदान रहा।

वैश्वीकरण के दौर में भारतीय कला-संगीत संरक्षण पर विमर्श करती पुस्तक का विमोचन

मंगलायतन विश्वविद्यालय में "वैश्वीकरण के युग में भारतीय दृश्य कला और संगीत का संरक्षण" शीर्षक पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। पुस्तक का विमोचन कुलपति प्रो. पीके दशोरा, संयुक्त कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. रविकांत तथा डायरेक्टर आईक्यूएसी प्रो. राजेश उपाध्याय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

यह पुस्तक डा. पूनम रानी और देबाशिष चक्रवर्ती द्वारा संपादित एक महत्वपूर्ण अकादमिक ग्रंथ है, जो वैश्वीकरण और तीव्र तकनीकी परिवर्तनों के बीच भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत के संरक्षण पर गहन विमर्श प्रस्तुत करता है। इसमें यह विश्लेषण किया गया है कि किस प्रकार पारंपरिक दृश्य कला और शास्त्रीय संगीत आधुनिक वैश्विक दबावों के बावजूद अपनी "आध्यात्मिक अनुगूंज" और "सौंदर्यपूर्ण चमक" को बनाए रख सकते हैं। पुस्तक में कुल 32 शोधपत्रों का सशक्त संकलन है, जिनमें दृश्य कला, प्रदर्शन कला तथा व्यापक मानविकी अनुसंधान से जुड़े विविध दृष्टिकोण सम्मिलित हैं। पुस्तक एक ओर संरक्षणवादी घोषणा पत्र के रूप में सामने आती है, तो दूसरी ओर भविष्य की रचनात्मक संभावनाओं और नवाचार की दिशा भी निर्धारित करती है।

इस पुस्तक को प्रो. जयंतीलाल जैन (जैन दार्शनिक), प्रो. ईना शास्त्री (उपकुलपति, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान), डा. अर्क देव भट्टाचार्य (शास्त्रीय नर्तक) सहित कई प्रतिष्ठित विद्वानों के मूल्यवान लेखों से समृद्ध किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस पर आयोजित किया चक्र ध्यान सत्र

मंगलायतन विश्वविद्यालय के योग क्लब ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के अवसर पर छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेष चक्र ध्यान सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन योग आचार्या भावना राज ने किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ध्यान के महत्व और इसके स्वास्थ्य व मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया।

योग आचार्या ने बताया कि ध्यान नियमित रूप से करने से मानसिक शांति, तनाव कम होना, ध्यान केंद्रित करना और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। हर व्यक्ति को अपनी उम्र के अनुसार कम से कम उतने ही मिनट रोजाना ध्यान करना चाहिए, जितने वर्ष उनकी आयु है। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू डा. पूनम रानी ने भी दैनिक ध्यान और योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ध्यान से न केवल मानसिक और भावनात्मक संतुलन बढ़ता है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य, नींद की गुणवत्ता और स्मृति शक्ति में भी सुधार करता है। सत्र के दौरान छात्रों ने चक्र ध्यान, प्राणायाम और योगाभ्यास के माध्यम से अपने अंदर ऊर्जा और एकाग्रता का अनुभव किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढता, सकारात्मक सोच और आत्म–नियंत्रण की आदत विकसित करना था।

मंगलायतन हॉस्पिटल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के रेडियो नारद एवं स्मार्ट एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित कार्यक्रम "सेहत सही, लाभ कई" के अंतर्गत मंगलायतन हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंगलायतन आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर के दौरान डायबिटीज, बीपी, थायराइड, जोड़ों का दर्द, गठिया, त्वचा रोग, पेट व पाचन संबंधी समस्याएं, अस्थमा, एलर्जी, महिला एवं बाल स्वास्थ्य, सिरदर्द व माइग्रेन सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। मरीजों को सामान्य स्वास्थ्य जांच, शुगर व बीपी जांच तथा निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाएं प्रदान की गईं। साथ ही सभी लैब जांच और एलोपैथिक दवाओं पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई। शिविर में डा. नितिन गोयल, डा. दीपा, डा. पायल, डा. जितेंद्र ने चिकित्सकीय सेवाएं दीं। इस अवसर पर नीलकांत तिवारी, याशिका गुप्ता, यश की सक्रिय सहभागिता रही। मरीजों ने शिविर से लाभान्वित होकर संतोष व्यक्त किया।

PUBLICATIONS

Anshu Tiwari
Department of Pharmacy
3 Research Papers

Meenakshi Bisht
Institute of Nursing and Paramedical Sciences
2 Research Papers

Sushant Kumar Sharma
Department of Pharmacy
5 Research Papers

Y. P. Singh
Institute of Applied Sciences
2 Research Papers

Dr. Nishant Singh Katiyar
School of Pharmacy
1 Research Paper

Rajat Garg
Department of Pharmacy
1 Research Paper

Sanskarti Updhayay
Department of Pharmacy
1 Research Paper

MU Honored for its Contribution to Child Development Project

Commissioner of Aligarh Division, Ms. Sangeeta Singh, honored Mangalayatan University for its significant contribution to the Poshan Abhiyan (Nutrition Campaign), a flagship child development project of Prime Minister Narendra Modi. Under this scheme, malnourished and needy children are provided with nutritional supplements every month through CSR funds. The Poshan Warrior felicitation ceremony was held at the Commissioner's office. The objective of this project is to improve the nutritional status of malnourished and needy children. On this occasion, representatives of prominent institutions of the district who worked hand in hand to make this project a success were also honored. Dr. Poonam Rani, Dean of Student Welfare, received the certificate of honor on behalf of Mangalayatan University.

Academic Leave

S.No.	EMP_NAME	Department	Designation	From Date	To Date	Reason
1 .	Poonam Rani	Visual & Performing Arts	ASSOCIATE PROFESSOR	03-11-2025	03-11-2025	Participation in Shri Krishna National Chitrankan Shivir 2025
2 .	Javed Wasim	Computer Application	ASSOCIATE PROFESSOR	20-11-2025	21-11-2025	External Examiner
3 .	Ravi Kant	Chemistry	DEAN RESEARCH & DEVELOPMENT	03-11-2025	05-11-2025	Participation in Emerging Science, Technology and Innovative Conclave-2025, New Delhi
4 .	Ravi Shekher	Biotechnology & Life Sciences	ASSISTANT PROFESSOR-1	08-11-2025	08-11-2025	12th International conference on recent deelopment in Biotechnology,Forensic and Life Sciences
5 .	Shreshtha Upadhyay	Applied Science	LECTURER	10-11-2025	11-11-2025	Session Chair in Int. Conference on Next Generation Forensics at K R Mangalam University, Gurugram
6 .	Dinesh Pandey	IER	PROFESSOR	17-11-2025	19-11-2025	To Present Research Paper at International Conference at BHU, Kashi

MU faculty publishes Patents in Government of India Journal

Mangalayatan University has achieved another remarkable milestone in the field of research and technological innovation. Two of the university's inventions, a blockchain-based secure library system and a smart library resource management system, have been published in the journal of the Government of India's Patent Office. This achievement reflects the university's robust research ecosystem and its commitment to cutting-edge technologies.The patent titled: “The Smart Library Resource Management System” designed and authored by Prof. Ashok Upadhyay, Prof. Rajesh Upadhyay, Dr. Love Kumar, Dr. Jyoti Gupta, and Dr. Munawwar Iqbal integrates library operations with modern technologies such as edge analytics, software-defined networking, and navigation. Where as the other patent titled: “The Blockchain-Enabled Secure and Confidential Library Operation System” is an innovative technology that takes library operations to a new level of security, transparency, and automation. This patent is designed and authored by Prof. Ashok Upadhyay, Prof. Rajesh Upadhyay, Dr. Deepmala, Dr. Mushahid Ali, Dr. Vipin Kumar, Dr. Shiv Singh, and Dr. Jyoti Gupta. Vice-Chancellor Mangalayatan University Prof. PK Dashora, appreciated the innovations of the team and encouraged the team members to involve students in research and future innovations. The Joint Registrar Prof. Dinesh Sharma, said that this achievement will inspire students and researchers to develop innovation-based solutions keeping in mind the needs of the future. This is not the first instance where we have shown our cDuring the special felicitation ceremony Dean Research Prof. Ravikant and other faculty members were also present

MU conducts FDP on Transforming Higher Education for Developed India 2047

Mangalayatan University successfully concluded an eight-day Faculty Development Program (FDP) on the theme "Transforming Higher Education for Developed India 2047: Integration of National Reforms with Sustainable Development Goals (SDGs)". The program was organized by the university's Internal Quality Assurance Cell (IQAC) in collaboration with the Institute of Education and Research (IER) and the Department of Electrical and Electronics Engineering.In the inaugural session, Dean Academics Prof. Rajiv Sharma stated that the role of higher education is crucial in achieving the goal of a developed India by 2047. Prof. Deepshikha Saxena presented the outline of the FDP. In his presidential address, Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora said that all of us share the common goal of a developed India by 2047. Achieving this requires a clear strategy, rapid progress, and working in the right direction. He urged the faculty members to make quality-based education, research, innovation, and social responsibility an integral part of their work.In various sessions of the FDP, lectures were delivered by eminent academicians from across the country. Prof. Afroz Alam of Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad, highlighted the coordination of national reforms in higher education and SDGs, stating that inclusive, innovative, and skill-based education will lay a strong foundation for a developed India. Dr. Shantanu Ganguly of Ashoka University, Sonipat, delivered a lecture on proficiency in research management and project execution, while Dean Research and Development Prof. Ravikant emphasized intellectual property protection and management as a necessity for a developed India. In the concluding session, the convener and IQAC Director Prof. Rajesh Kumar Upadhyay presented a detailed report of the eight-day FDP. The program was conducted by Dr. Deepmala.

Key Decisions Related to Education, Research, and Development Taken at the Executive Council Meeting

The Executive Council meeting of Mangalayatan University was held under the chairmanship of Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora. During the meeting, several important decisions were taken after thorough discussions on various aspects related to the university's academic, administrative, and developmental activities. The council focused on strengthening the quality of education and research, while also giving special attention to timely policies that prioritize the interests of students and faculty.In his presidential address, the Vice-Chancellor said that the implementation of the National Education Policy has brought both new opportunities and challenges to the field of higher education. To address these, the university administration, faculty, and staff are working with complete dedication. Registrar Brig. (Dr.) Sumarvir Singh provided information on the implementation of the decisions of the previous Executive Council meeting. Examination Controller Prof. Dinesh Sharma reiterated the commitment to the effective implementation of the decisions and to developing the university into a globally recognized center of excellence in education. Special emphasis was placed on student welfare, research advancement, and institutional development during the meeting. All members of the council and senior officials were present on this occasion.

मंगलकामना

प्रतिनिधि रचना
सुरजीत शर्मा
कृषि विभाग
मंगलायतन विश्वविद्यालय

विश्वमित्र का यह धरणी धर, मृद कानन में पुण्य प्रेरणा।
वर्ष षष्ठ में शत इक्किस के, यतन हुआ मंगल श्री चरणा।।
गंगा सी संक्रति बन यमुना, गाथा गाये ज्ञान नाम की।
मखमल हरियाली चादर में, बन अवलंबन जैन धाम की।।
निर्मित विद्यालय विश्व का, सहज शांत सुन्दर सा प्यारा।
ज्ञान, नीति, करुणा की शत पथ, बन बहती नवयुग की धारा।।
हर कौना जिसका गाता है, प्रियतम अपनी प्रेम प्रथा को।
और हृदय में धारण करता, ज्ञान, मान, अनुदान कथा को।।
विद्या की लौ लेकर चलता, बनता दीपक स्वप्न शेष का।
आज पटल पर चमक रहा है, भा में रत एक अरुण देश का।।
नव युग में रच नव सीमायें, नवाचार अविराम यहाँ पर।
अनुसन्धान करे संवर्धन, चाल चलन विज्ञान जहाँ पर।।
लांघ विश्व की सीमाएं जब, विविध पाठ्य अर्जन को आते।
बन व्यक्तित्व उदार हृदय से, तब सेवा को सब जग जाते।।
नमन आज विद्यालय को जो, विश्व रूप में है स्थापित।
ज्ञान सवेरा फैलाकर जो, किया कलुष को है विस्थापित।।
स्वीकार किया आतिथ्य यहाँ पर , जगती के विद्वान पधारे।
मोदी, आरिफ ,मूर्ति नरायण, शायना संग कलाम है प्यारे।।
बन विस्वास युवा लोगो का ,जीत लिया मन कवि कुमार ने।
कर स्वीकार उपाधि डी लिट्, मान बढाया सृजन सार ने।।
बन दीक्षांत समय के साक्षी, युग वंदन करते सब आकर।
देश भ्रमण परचम लहराया, अपने बच्चों ने भी जाकर।।
छात्रावास हो पुस्तक आलय, अनुशासन की ही वानी है।
नहीं तम्बाकू और नशा है, नौ रैगिंग भी जग जानी है।।
कुलपती,सचिव,संयुक्त सचिव ने, शुभ संकल्प यही ठाना है।
गोयल जी के भाव हृदय रख, यतन यहाँ मंगल गाना है।।
यह मंगलमय वह मंगलमय, नव जीवन दर्शन मंगलमय।
मनोकामना अब हम सबकी, मंगल यतन हो जय मंगलमय।।

Pharmaceutical Waste Poses a Threat to Human Health and Biodiversity": Dr Rehman

On the occasion of National Pollution Control Day, a special guest lecture was organized at Mangalayatan University under the joint auspices of the Institution Innovation Council (IIC) and the Mangalayatan Nature Club. The aim of the program was to increase public awareness about environmental protection, sustainable development, and climate responsibility.The chief speaker, Dr. Syed Ziaur Rahman, Professor and Chairman of the Department of Pharmacology at Aligarh Muslim University, delivered a detailed lecture on the topic "Pharmaceutical Pollution: Sources, Pathways and Environmental Impact." In his address, he discussed in detail the pollution caused by medicines, their pathways into water and soil, and the adverse effects on the ecosystem. He explained that pharmaceutical waste not only harms the environment but is also becoming a serious threat to human health and biodiversity.Students of BAMS presented a theatrical performance. IIC Chairman Prof. Ravikant introduced the guest and Dr. Arbab Hussain presented the welcomed address. The program outline was presented by Prof. Manisha Sharma.

New Book on Biotech Engineering unveiled at MU

Mangalayatan University witnessed the launch of a biotechnology-related book authored by Prof. Rakesh Kumar Sharma, Director, Department of Biotechnology and Life Sciences. The book, titled "Frontiers in Advanced Biotechnology Engineering: Life for the 21st Century," was formally released on the university campus. The book was unveiled by Vice-Chancellor Prof. P. K. Dashora and Registrar Brigadier (Dr.) Sumar vir Singh. The launch ceremony was attended by Prof. Anurag Shakya, Prof. Dinesh Pandey, Prof. Rajesh Upadhyay, Dr. Soni Singh, and Dr. Love Mittal.

प्रेरणादायक शॉर्ट फिल्म 'अस्तित्व' का कुलपति ने किया शुभारंभ

मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक प्रेरणादायक शॉर्ट फिल्म 'अस्तित्व' का निर्माण किया जा रहा है। फिल्म का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने नारियल फोड़कर किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शॉर्ट फिल्म 'अस्तित्व' विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण होगी। विश्वविद्यालय ऐसे नवाचारों को सदैव प्रोत्साहित करता रहेगा। विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिल्म 'अस्तित्व' समाज से जुड़े समकालीन मुद्दों को केंद्र में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन, पटकथा, कैमरा और संपादन विद्यार्थियों द्वारा स्वयं किया जा रहा है, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

कृषि विभाग ने मनाया विश्व मृदा दिवस

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने मृदा प्रदूषण के दुष्परिणामों तथा प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती पर अपने अनुभव को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। मृदा परीक्षण के महत्व एवं समुचित उर्वरक के प्रयोग पर भी जोर दिया। डा. कृष्ण कुमार ने मृदा क्षरण एवं प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की। डा. संजय सिंह ने उन्नत प्रजातियों के विकास तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने पर जोर दिया। मृदा के महत्व विषय में छात्र सत्यम, गुंजन, शालिनी, ज्योति, आस्था व कुंदन ने भी अपने विचार साझा किए।

मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने का दिया मार्गदर्शन

मंगलायतन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर (यूआईआईसी) द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस कैसे शुरू करें विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लघु विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने की व्यावहारिक प्रक्रिया से परिचित कराना और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करना था। वेबिनार में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना से जुड़े विभिन्न चरणों पर विस्तार से जानकारी दी गई, जिनमें कच्चे माल का चयन, कॉस्ट शीट निर्माण, आवश्यक मशीनरी एवं सेटअप, सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता और पात्रता मानदंड शामिल थे।

विश्व एड्स दिवस पर हुई निबंध प्रतियोगिता

मंगलायतन विश्वविद्यालय में विश्व एड्स दिवस 2025 के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई और रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एड्स के प्रति जागरूकता: शिक्षा और मीडिया की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में विवि के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पत्रकारिता

विभाग के अध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि मीडिया इसकी रोकथाम के लिए समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करता है। एनएसएस की समन्वयक डा. पूनम रानी ने कहा कि इस रोग के निदान के लिए दवा के साथ सही जानकारी आवश्यक है। आभार कार्यक्रम अधिकारी डा. मनीषा उपाध्याय ने व्यक्त किया।

Mangalayatan University sensetises faculties on SDG's

Mangalayatan University, Aligarh organised a Special Lecture on "Susutanaible Development Goals and the role of Higher Educational Institutions" at University Auditorium. The lecture was addressed by Professor Sandeep Grover, Professor in Mechanical Engineering at JC Bose University of Science & technology , YMCA Fridabad. The event was organised to enlightened faculty members on SDG's and their importance for Higher Educational Institutions. Prof. Grover said that the heigher educational Institutions are pillars for change as they play an important role in achieving the SDG's. Their role is beyond the SDG's agenda 4 which focusses on access to quality education. He emphasised that education and research can empower new generations of leaders with the knowledge , skills and passion essesntial to transform the world to see the change in SDG's . The HEI's can do this by sensetising their students and faculty members, by adding SDG;s in ther curricula, Innovation, Research and social connect. Research and innovations shall mapped with SDG's, Prof. Grover added. The Vice Chancellor , Mangalayatan University Prof. P K Dashora adressing the participants said that 247 indicators are not exhaustive. Achieving sustainability is a dream our fore fathers thought of it but we could not achieve it. But still its our duty to achieve it. Today we are drinking water in plastic bottles and may be in future we have to carry oxygen cylinders with us. He quoted shlokas from the upnishad's and added that we should use resources judiciously. Dean Academics Dr Rajeev Sharma set the tone for the lecture and introduced the guest. He said that we are tha 4th largest economy and we are going to be a developed nation by 2047 with a 30 trillion economy. For achieving the SDG's we need to be sensetised. Direcore IQAC Dr Rajesh Upadhyay presented the Annual report of the cell and discussed about the various achievements and milestones of the academic year 2025. Dr Deepshikha presented the Vote of thanks .The program was conducted by Dr Deepmala .

Mangalayatan University organises Finance Committee Meeting

A meeting of the Finance Committee of Mangalayatan University was held in the Vice-Chancellor's office in the campus. The meeting was chaired by Vice-Chancellor Prof. P.K. Dashora. The Finance Committee examined the proposals point by point. During the meeting, several important decisions were taken, including increasing resources for teaching and research, strengthening infrastructure, expanding digital facilities, upgrading student services, and prioritizing the needs of various departments. The committee also emphasized on financial discipline, transparency, and making long-term development plans more effective. Finance Officer Manoj Gupta presented a review of the decisions taken in the previous meeting. He apprised the committee of various financial items, budgetary provisions, resource utilization, department-wise requirements, and priorities for the upcoming financial year. The Vice-Chancellor said that the university's objective is to provide students with the best possible educational environment. Registrar Brigadier (Dr.) Sumarvir Singh, Controller of Examinations Prof. Dinesh Sharma, Prof. Mahesh Kumar, and Atul Gupta, along with other members of the committee, were present in the meeting.

EDITORIAL BOARD :
Patron : Prof. P.K. Dashora, Vice Chancellor, **Chief Editor :** Prof. Jitendra Singh, **Associate Editors :** Ms. Manisha Upadhyay, Mr. Mayank Jain, **Advisory Board :** Brig Sumar Vir Singh (Retd) Registrar, Prof. Ravi kant, Prof. Rajeev Sharma, Prof. Yatendra Pal Singh, Prof. Abdul Wadood Siddiqui, Dr. Poonam Rani, Dr. Javed Wasim, **Editor/Designing :** Mr. Yogesh Kaushik, **Student Sub Editor :** Yas, Sahil, Mukesh, Somi